भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
11.03.2026 के
अतारांकित प्रश्न सं. 3041 का उत्तर

वर्धा-नांदेड़ रेल परियोजना

3041. श्री संजय उत्तमराव देशमुख:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्धा-नांदेड़ रेल परियोजना की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) इस मार्ग को स्वीकृति प्रदान किए जाने के बाद से इस परियोजना पर अब तक पूरे किए गए कार्य का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने इस परियोजना में विलंब के कारणों की जांच की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) इन कारणों के समाधान/इस परियोजना को पूर्ण करने की समय-सीमा क्या है;

(ङ) क्या सरकार ने इस परियोजना के लिए कोई अनंतिम समय-सीमा निर्धारित की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) इस कार्य की प्रगति में तेजी लाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए ठोस कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): रेल मंत्रालय ने वर्धा-नांदेड़ (284 किमी.) नई लाइन परियोजना का कार्य शुरू किया है। वर्धा-देवली-कलमब खंड (38 किमी.) को कमीशन कर दिया है और शेष खंड में कार्य शुरू कर दिया गया है। मार्च, 2025 तक ₹3,264 करोड़ का व्यय किया गया है और

वर्ष 2025-26 के लिए ₹310 करोड़ का परिव्यय किया गया है। अपेक्षित 567 हेक्टेयर भूमि अधिगृहित की जा चुकी है। परियोजना की खंड-वार प्रगति निम्नानुसार है:

क्र.सं.	रेलखंड का नाम	सुरंग की स्थिति	बड़े पुलों की स्थिति
1	वर्धा-देओली-कलंब रेलखंड (38 किमी.)	पहले ही पूरा कर लिया गया है और इसे कमीशन कर दिया गया है।	
2	कलंब-यवतमाल रेलखंड (40 किमी.)	सुरंग (2.9 किमी.) • 73 % खुदाई पूरी की गई है • लाइनिंग शुरू किया गया है	इस रेलखंड में 36 बड़े पुल है जिनमें से 35 पूरे किए गए हैं।
3.	यवतमाल-दिगरस रेलखंड (79 किमी.)	इस रेलखंड में कोई सुरंग नहीं है।	इस रेलखंड में 29 बड़े पुल हैं, जिनमें से 04 पूरे हो चुके हैं और शेष खंड में कार्य शुरू किया गया है।
4.	दिगरस-नांदेड़ रेलखंड (127 किमी.)	सुरंग (7.39 किमी.) • 64 % खुदाई पूरी की गई है • लाइनिंग शुरू किया गया है	55 बड़े पुल हैं। इनका कार्य शुरू किया गया है।

महाराष्ट्र बजट आवंटन:

पिछले पांच वर्षों के दौरान बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। महाराष्ट्र राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली अवसंरचना संबंधी परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आवंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	1,171 करोड़ रुपए/वर्ष
2025-26	23,778 करोड़ रुपए (20 गुना से अधिक)

रेलपथ निर्माणः

वर्ष 2009-14 और वर्ष 2014-25 के दौरान महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाले नए रेलपथों संबंधी कार्यों का ब्यौरा निम्नानुसार हैं:

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	292 कि.मी.	58.4 कि.मी./वर्ष
2014-25	2,292 कि.मी.	208.4 कि.मी./वर्ष (3 गुना से अधिक)

स्वीकृत परियोजनाएं:

दिनांक 01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली 89,780 करोड़ रुपए की लागत वाली कुल 5,098 किलोमीटर लंबाई की 38 परियोजनाओं (11 नई लाइन, 02 आमान परिवर्तन और 25 दोहरीकरण) को स्वीकृत किया गया है। इसका सार निम्नानुसार है:-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2025 तक व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	11	1,355	234	10,504
आमान परिवर्तन	02	609	334	4,286
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	25	3,134	1,792	24,617
कुल	38	5,098	2,360	39,407

हाल में पूरी की गई परियोजनाएं:

महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली हाल ही में पूरी हुई कुछ परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1	पुणे-मिराज-लोंडा दोहरीकरण (467 कि.मी.)	4,670
2	जबलपुर-गोंदिया आमान परिवर्तन (300 कि.मी.)	2,005
3	छिंदवाड़ा-नागपुर आमान परिवर्तन (150 कि.मी.)	1,512
4	पनवेल-पेन दोहरीकरण (35 कि.मी.)	263
5	पेन-रोहा दोहरीकरण (40 कि.मी.)	330
6	उधना-जलगांव दोहरीकरण (307 कि.मी.)	2,448
7	मुदखेड-परभणी दोहरीकरण (81 कि.मी.)	673
8	भुसावल-जलगांव तीसरी लाइन (24 कि.मी.)	325
9	जलगांव-भुसावल चौथी लाइन (24 कि.मी.)	261
10	दौंड-गुलबर्गा दोहरीकरण (225 कि.मी.)	3,182

चालू परियोजनाएं:

महाराष्ट्र राज्य में रेल अवसंरचना में और भी सुधार लाने के लिए निम्नलिखित कार्यों को शुरू किया गया है :-

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रुपए में)
1	अहिल्यानगर (अहमदनगर) - बीड-परली वैजनाथ नई लाइन (261 किलोमीटर)	4,957
2	बारामती-लोनंद नई लाइन (64 किलोमीटर)	1,844
3	वर्धा-नांदेड़ नई लाइन (284 किलोमीटर)	3,445
4	इंदौर-मनमाड नई लाइन (360 किलोमीटर)	18,529
5	वडसा-गढ़चिरौली नई लाइन (52 किलोमीटर)	1,886
6	जालना-जलगांव नई लाइन (174 किलोमीटर)	5,804

7	दौंड-मनमाड दोहरीकरण (236 किलोमीटर)	3,037
8	कल्याण-कसारा तीसरी लाइन (68 किलोमीटर)	1,433
9	वर्धा-नागपुर तीसरी लाइन (76 किलोमीटर)	698
10	वर्धा-बल्हारशाह तीसरी लाइन (132 किलोमीटर)	1,385
11	इटारसी-नागपुर तीसरी लाइन (280 किलोमीटर)	2,450
12	राजनांदगांव-नागपुर तीसरी लाइन (228 किलोमीटर)	3,545
13	वर्धा-नागपुर चौथी लाइन (79 किलोमीटर)	1,137
14	जलगांव-मनमाड चौथी लाइन (160 किलोमीटर)	2,574
15	भुसावल-खंडवा तीसरी और चौथी लाइन (131 किलोमीटर)	3,285
16	सोलापुर-तुलजापुर-उस्मानाबाद नई लाइन (95 कि.मी.)	2,933
17	पनवेल-चौक दोहरी लाइन (17 कि.मी.)	491
18	वर्धा- बल्हारशाह चौथी लाइन (135 कि.मी.)	2,226
19	इटारसी-नागपुर चौथी लाइन (297 कि.मी.)	5,010
20	वर्धा-भुसावल तीसरी और चौथी लाइन (314 कि.मी.)	9,197
21	आसनगांव-कसारा चौथी लाइन (35 कि.मी.)	794
22	बदलापुर-कर्जत तीसरी और चौथी लाइन (32 कि.मी.)	1,324
23	गोंदिया-डोंगरगढ़ चौथी लाइन (84 कि.मी.)	2,223
24	गोंदिया-बल्हारशाह दोहरीकरण (240 कि.मी.)	4,819

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है, जो निम्नानुसार हैं:

- भूमि अधिग्रहण
- वानिकी स्वीकृति

- **अतिलंघकारी जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण**
- **विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां**
- **क्षेत्र की भू-वैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियां**
- **परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति**
- **परियोजना स्थल विशेष के लिए एक वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि**

रेल परियोजनाओं के प्रभावी और तीव्र कार्यान्वयन के लिए सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों में शामिल हैं:

- **निधियों के आवंटन में पर्याप्त वृद्धि।**
- **क्षेत्रीय स्तर पर शक्तियों का प्रत्यायोजन**
- **विभिन्न स्तरों पर परियोजना की प्रगति की गहन निगरानी।**
- **भूमि अधिग्रहण, वानिकी और वन्यजीव मंजूरी को शीघ्रता से सुनिश्चित करने तथा परियोजना से संबंधित अन्य मुद्दों को हल करने के लिए राज्य सरकारों और संबंधित प्राधिकरणों के साथ नियमित अनुवर्ती कार्रवाई।**

******